



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 204]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 1, 1970/ज्येष्ठ 11, 1892

No. 204] NEW DELHI, MONDAY, JUNE 1, 1970/JYAISTHA 11, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 1st June 1970

S.O. 1984.—Whereas the industrial undertaking known as the Standard Motor Products of India Ltd., Madras, is engaged in the Scheduled industry, namely, the automobile industry;

And whereas it has come to the notice of the Central Government that the volume of production of the articles manufactured in the said industrial undertaking had been gradually going down and the production has now come to a standstill consequent upon the closure of the said industrial undertaking by the management;

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient to take urgent measures to remedy the situation arising out of the closure of the said industrial undertaking and to ensure that production in the said scheduled industry does not suffer to the detriment of the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (85 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:

Chairman

Shri T. A. Varghese, ICS (Retd.),
Ex-Chief Secretary,
Government of Tamil Nadu,
Madras.

Members

1. Shri N. Krishnan,
Chief Cost Accounts Officer,
Ministry of Finance,
Department of Expenditure,
New Delhi.
2. Shri T. V. Mansukhani,
Joint General Manager,
Hindustan Machine Tools Ltd.,
Pinjore.

[No. F. 1(34)/70-AEIND.]

B. D. PANDE, Secy.

औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 1 जून 1970

का० घा० 1984.—यतः औद्योगिक उपक्रम जो स्टैण्डर्ड मोटर प्रोडक्ट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड, मद्रास, के नाम से जाना जाता है, अनुसूचित उद्योग अर्थात् आटोमोबाइल उद्योग में लगा हुआ है ;

और यतः, केन्द्रीय सरकार की जानकारी में यह बात आई है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम में विनिर्मित वस्तुओं के उत्पादन का परिमाण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है और प्रबन्ध द्वारा उक्त औद्योगिक उपक्रम के बन्द कर देने के परिणाम स्वरूप उत्पादन अथ रूक गया है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम के बन्द हो जाने से उत्पन्न होने वाली स्थिति का उपचार करने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि उक्त अनुसूचित उद्योग के उत्पादन में लोक हित के लिए अहितकर रूप से कमी न हो, आवश्यक उपाय करना समीचीन है ;

अतः अब उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मामले की परिस्थितियों में पूरा और सम्पूर्ण अन्वेषण करने के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों का निकाय नियुक्त करती है

अध्यक्ष

श्री टी० ए० वरगीज, आई सी एस (सेवा निवृत्त),

भूतपूर्व मुख्य सचिव,

तामिल नाडु सरकार,

मद्रास ।

सदस्य

1. श्री एन० कृष्णन्,
मुख्य लागत लेखा अधिकारी,
वित्त मंत्रालय,
व्यय विभाग, नई दिल्ली ।
2. श्री टी० बी० मनसुखानी,
संयुक्त महाप्रबन्धक,
हिन्दुस्तान मशीन टूल्स लिमिटेड
पिजोर ।

[सं० एफ०/(34)/70-ए० ई० आई० एन० डी०.]

बी० डी० पाण्डे, सचिव ।

